शुक्रवार
10 अप्रैल 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 76
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

# दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

## जोहड़ी के जंगलों में अतिक्रमण पर

# कब चलेगा धामी का बुलडोजर

## ●मुकदमा दर्ज कर कर्तव्य की इतिश्री क्यों?

विशेष संवाददाता

देहरादून। स्थानीय लोगों के हंगामे तथा विपक्षी दलों के नेताओं की सक्रियता और सोशल मीडिया में आई खबरों के बाद वन विभाग के अधिकारियों ने जोहड़ी गांव के जंगलों में हो रहे अवैध वृक्ष कटान व कब्जे को रुकवाने की जो कार्रवाई की है क्या वह सिर्फ अपनी नाक बचाने और अकर्मण्यता को छुपाने के लिए किया गया? यह सवाल इसलिए लोगों द्वारा उठाया जा रहा है क्योंकि बिजली विभाग के अवर अभियंता और अवैध निर्माण के आरोपी के खिलाफ सिर्फ मुकदमा दर्ज करके ही वन विभाग के अधिकारियों ने अपने कर्तव्य की इति श्री कर ली है। जंगल के अंदर हुए अतिक्रमण को हटाने का कोई प्रयास 10 दिन बीत जाने के बाद भी नहीं किया गया है।

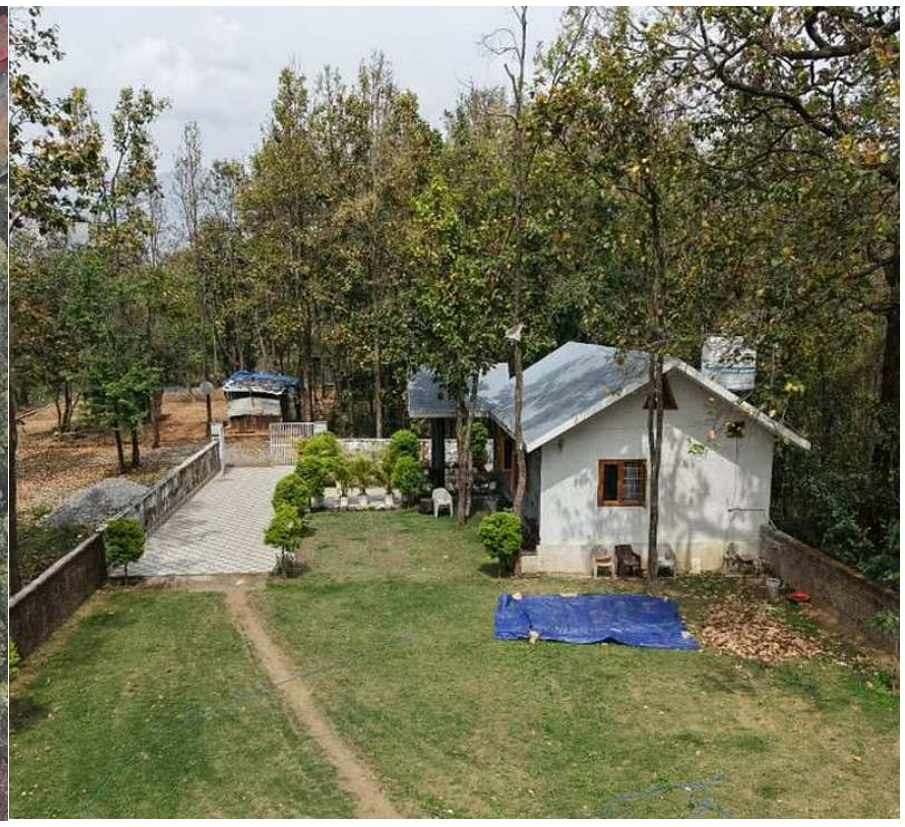

उल्लेखनीय है कि इस मामले में भारी विरोध व हंगामें के बाद मंसूरी क्षेत्र के वनाधिकारी मौके पर पहुंचे थे तथा यहां बिछाई जा रही विद्युत लाइन को लेकर अवर अभियंता और अतिक्रमण के आरोपी अभिषेक वैश्य के खिलाफ 3 अप्रैल को मुकदमा दर्ज कराया था। वन अधिकार अधिनियमों के तहत मुकदमा तो दर्ज हो गया लेकिन जंगल में किए गए अतिक्रमण को हटाने की कोई कार्यवाही नहीं किया जाना यही संकेत करता है कि यह सिर्फ प्रतीकात्मक कार्यवाई थी जो वन विभाग ने अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के लिए की गई।

उत्तराखंड की धामी सरकार जो आए दिन सीना ठोककर दावा करती है कि राज्य की डेमोग्राफी को लाल, पीली व हरी चादर डालकर जमीन कब्जाने का प्रयास करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा। आए दिन मजारों पर बुलडोजर चलाने तथा धार्मिक संरचनाओं को ढहाने की तस्वीरे आती रहती है। धामी का दावा है कि वह अब तक 12 हजार हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त करा चुके हैं, लेकिन जोहड़ी गांव के जंगलों में हुए इस अतिक्रमण पर उनका बुलडोजर कब चलेगा। तस्वीरों में इस अतिक्रमण को स्पष्ट देखा जा सकता है। 3 अप्रैल से इसे लेकर हंगामा जारी है लेकिन कार्यवाही कब आगे बढ़ेगी इसका कुछ अता-पता नहीं है।

यहाँ एक चौंकाने वाली और सोचने पर मजबूर करने वाली स्थिति सामने आई है। इसी इलाके में करीब 10 मीटर की दूरी पर स्थित एक मंदिर और एक मजार को सरकार ने अतिक्रमण मानते हुए पहले ही ध्वस्त कर दिया था। लेकिन अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब छोटे धार्मिक ढांचों पर इतनी सख्ती दिखाई गई, तो जंगल के अंदर बने इस बड़े अतिक्रमण पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? स्थानीय लोगों का कहना है कि जंगल के भीतर हो रहा यह कब्जा खुलेआम नियमों की अनदेखी है, फिर भी जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठा है। क्या कानून सिर्फ कमजोरों पर ही चलता है? क्या बड़े अतिक्रमणकारियों को बचाया जा रहा है? अब यह मामला केवल अतिक्रमण का नहीं, बल्कि कार्रवाई में दोहरे मापदंड का बनता जा रहा है। इलाके में गुस्सा बढ़ रहा है और लोग जवाब मांग रहे हैं कि जब मंदिर-मजार नहीं बचे, तो जंगल की कोठी कब हटेगी?

दून वैली मेल

## संपादकीय

# राजनीति का मोहपास

पूर्व मुख्यमंत्री तथा कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ व व्योवृद्ध नेता हरीश रावत सूबे की सक्रिय राजनीति से सन्यास न लेने की जिद पर अड़े हुए हैं। लंबे समय से पार्टी द्वारा की जा रही उपेक्षा को जानने समझने के बावजूद भी वह अपने वजूद को बनाए रखने के लिए जिस तरह संघर्ष करते देखे जा रहे हैं वह किसी से भी छिपा नहीं है। सूबे के तमाम कांग्रेसी नेताओं का मानना है कि उन्हें अब राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए। लेकिन हरीश रावत है कि वह कांग्रेस का ढोल बजाते रहने और चुनाव न लड़ने की बात से आगे नहीं बढ़ सके हैं। इससे पूर्व हुए दोनों विधानसभा चुनावों में भी उनका कुछ ऐसा ही रवैया देखा गया था। भले ही वह इस दौरान अपनी बेटी अनुपमा रावत को हरिद्वार सीट से टिकट दिलाने व उन्हें जीत दिलाकर विधायक बनाने में सफल रहे हो लेकिन क्या वह कांग्रेस को जीत दिला पाए? यह सवाल खुद कांग्रेसी नेताओं द्वारा अब उठाया जा रहा है। इस वक्त रामनगर से संजय नेगी की कांग्रेस में ज्वाइनिंग न कराये जाने को मुद्दा बनाकर वह 15 दिनों के राजनीतिक अवकाश पर चल रहे हैं। तमाम लोग उनके इस अवकाश और नाराजगी की वजह संजय नेगी की ज्वाइनिंग नहीं अपने बेटे आनंद रावत को टिकट दिलाना बता रहे है। सवाल यह है कि क्या पार्टी हर बार उनकी बात मानने के लिए बाध्य होगी? कांग्रेस के रुख से तो ऐसा लगता है कि कांग्रेस अब हरीश रावत के किसी भी दबाव में आकर अपना फैसला नहीं लेना चाहती है। अभी हाल ही में जिन 6 लोगों की कांग्रेस में ज्वॉइनिंग कराई गई उस कार्यक्रम से हरीश रावत को अलग रखा गया। अपने पांच दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा के कार्यक्रमों में भी हरीश रावत की मौजूदगी कहीं दिखाई नहीं दी है। रुद्रपुर और हल्द्वानी तथा नैनीताल में कांग्रेस के तमाम नेता मौजूद थे लेकिन हरीश रावत नहीं थे उनके पास भले ही राजनीतिक अवकाश पर होने का बहाना सही, लेकिन हरीश रावत अगर यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि शैलजा खुद आकर उनसे मिलेंगी तो यह उनका मुगालता ही है। दरअसल कांग्रेस के नेता भी अब हरीश रावत की उस दबाव की राजनीति के हथकंडे से परेशान आ चुके हैं जिसके जरिए वह पार्टी में अपना वजूद बनाये रखना चाहते हैं। कांग्रेस द्वारा 2027 के चुनाव के लिए जो नई टीम घोषित की गई है उसमें भी उन्हें कोई जगह नहीं दी गई है। 2016 में कांग्रेस में बड़ा विभाजन कराने वाले डा. हरक सिंह को चुनाव समिति का अध्यक्ष बनाकर बड़ी जिम्मेदारी दिया जाना इस बात का संकेत है कि कांग्रेस हरीश रावत के बारे में अब ज्यादा कुछ चिंतन मंथन करने को तैयार नहीं है। हरीश रावत जो डा. हरक सिंह को उजाडु बल्द बताते थे तथा उनकी कांग्रेस में वापसी का भी विरोध करते आए हैं अब वह हरक सिंह, हरीश रावत की नाराजगी पर अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कह रहे हैं कि किसी को भी इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि उनके बिना कांग्रेस नहीं रहेगी। कांग्रेस नेताओं के बीच जिस तरह की तल्ख बयान बाजी देखी जा रही है वह कांग्रेस के लिए हितकारी नहीं कहीं जा सकती है। मगर इससे निजात भी आसान नहीं है। हमने देखा है कि भाजपा जिसने 70 साल उम्र पूरी करने वाले नेताओं को मार्गदर्शक मंडल में डालकर राजनीति से बाहर धकेल दिया था वही पीएम मोदी अपने ही नियम को तोड़ कर राजनीति के शीर्ष पर विराजमान है न कुछ छोड़ने को तैयार हैं न पद। दरअसल राजनीति कमबख्त चीज ही ऐसी है कि मरते दम तक इसका मोह एनडी तिवारी की तरह किसी से छोड़ा ही नहीं जाता है फिर हरीश रावत अगर यह मोह नहीं छोड़ पा रहे हैं तो इसमें उनका क्या दोष है?

# मॉक ड्रिलः भारी बारिश के चलते सपेरा बस्ती में लोगों की जान आफत में !

### ❑एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीमें मौके पर

संवाददाता

देहरादून। पुलिस के मॉक ड्रिल के चलते भारी बारिश के चलते सपेरा बस्ती में पानी भरने से लोगों की जान आफत में आ गयी। एनडीआरएफ,एसडीआरएफ ग्रांउड सपोर्ट टीम, फूड यूनिट, स्टेजिंग एरिया मैनेजर, कम्युनिकेशन यूनिट, डॉक्यूमेंटेशन यूनि, प्लानिंग सेक्शन, फायर यूनिट व वार्लेटियर टीम मौके पर मौजूद रहकर राहत व बचाव कार्य जारी रहा।

आज यहां चारधाम यात्रा के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सुबह साढे नौ बजे से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। सहस्त्रधारा रोड नियर तपोवन और ऋषिकेश में दो स्थानों पर मॉक ड्रिल की गयी। पुलिस कंट्रोल रूम द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि भारी वर्षा होने के कारण रिस्पना नदी का जल स्तर बढ गया है। जिसमे इंसिडेंट कमांडर एवं स्टेजिंग एरिया मैनेजर को सूचना से अवगत करवाया गया है। पुलिस एसडीआरएफ को अर्लट मोड पर रहने को बताया गया। सपेरा बस्ती के पास कुछ लोगों के फंसे होने की सूचना प्राप्त हुई है। जिसमें एसडीआरएफ, पुलिस व रेखीय विभागों को कार्यवाही हेतु अवगम कराया गया है। इंसीडेंट कमांडर द्वारा बताया गया है कि बिजली की तार नदी के संपर्क में आ गयी है जिसमें विद्युत विभाग को कार्यवाही हेतु अवगत कराया गया है। देहरादून और ऋषिकेश में घटनाओं की सूचना मिलने पर इस रिस्पासिबल ऑफिसर कंट्रोल रूम पहुंचे और राहत एवं बचाव टीमों को तत्काल अपने-अपने स्टेजिंग एरिया में पहुंचने के निर्देश दिये। मॉक ड्रिल के लिए रायपुर पीआरडी ग्राउंड में स्टेजिंग एरिया में सभी यूनिट सक्रिय रहे। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, ग्राउंड सपोर्ट टीम, फूड यूनिट, मेडिकल पोस्ट, ऑपरेशन सेक्शन, रेस्क्यू यूनिट, स्टेजिंग एरिया मैनेजर, कम्यूनिकेशन यूनिट, डॉक्यूमेंटेशन यूनिट, प्लानिंग सेक्शन, फायर यूनिट और वार्लेटियर टीम मौक पर तैयार रही। स्टेजिंग एरिया में इंसिडेंट कमांडर को रेस्क्यू टीम को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना करने के निर्देश दिये गये। सूचना प्राप्त हुई कि सपेरा बस्ती में एक घर में जल भराव जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी है जिसमें एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व फायर टीम द्वारा कार्यवाही की जा रही है। रेस्क्यू टीमें घटनास्थल पर पहुंची और तेजी से रेस्क्यू कार्य प्रारम्भ किये गये। इसी दौरान आपदा कंट्रोल रूम से सूचना मिली है कि अधिक वर्षा होने के कारण रिस्पना नदी में बाढ आने के कारण सपेरा बस्ती के निकट चूना भटटा में कुछ बच्चे नदी के बहाव में बह गये जिनका रेस्क्यू किया जा रहा है। फूड यूनिट द्वारा बाढ प्रवाहित हेतु रिलीफ कैम्प रेन बसेरा नगर निगम चूना भटटा में फूड पैक्ट उपलब्ध कराये जा रहे हैं। सपेरा बस्ती में दो घायलों को 108 सेवा के माध्यम से कोरोनेशन अस्पताल उपचार हेतु भेजा गया है। कॉलर आकाश द्वारा अवगत कराया गया है कि ऋषिकेश ट्रांजिट कैम्प में आग लगी है जिससे भगदड मच गयी है। रायपुर शांति विहार स्थित सपेरा बस्ती में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के संयुक्त ऑपरेशन के माध्यम से कई लोगों को रस्सी के माध्यम से रेस्क्यू किया गया। सपेरा बस्ती से अब तक कुल पांच घायलों को उपचार हेतु कोरोनेशन अस्पताल भेजा जा चुका है। सपेरा बस्ती में ड्रोन का उपयोग खोज एंव बचाव कार्य में किया जा रहा है।

# कांग्रेस में है आंतरिक बगावतः भाजपा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने कांग्रेस प्रभारी के दौरे को दिल्ली में बैठ रिमोट से पार्टी चलाने वालों की राजनैतिक नौटंकी करार दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने तंज किया कि जो अपने राज्य में कभी जीत नहीं दिला पाये वह उत्तराखंड में खुली आंख से सत्ता की तैयारी के सपने दिखा रहे हैं। कांग्रेसी एकता के दावों पर कटाक्ष किया कि ज्वाइनिंग को लेकर फैलाए झूठ का गुब्बारे की हवा, आंतरिक गुटबाजी से पूरी तरह निकल गई है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रभारी का दौरा उनका अंदरूनी मामला है। लेकिन इस दौरान जिस तरह के दावे वह कर रही है वह दिन में सपने देखने जैसा है। क्योंकि आज पीएम मोदी और सीएम धामी के नेतृत्व में प्रदेश का चौमुखी विकास हो रहा है। जनता सरकार के कदमों से कदम मिलाते हुए विकसित उत्तराखंड निर्माण में आगे बढ़ रही है। ऐसे में प्रदेशवासियों की नजर में उत्तराखंड का दशक लाने के संकल्प पूर्ति में भाजपा से बेहतर कोई विकल्प नहीं है।

उन्होंने तंज किया कि जो उत्तराखंड में बदलाव का दावा कर रहे हैं उनका चुनाव में जीत दिलाने का खुद का ट्रैक रिकार्ड बेहद खराब है। उनके अध्यक्ष काल से हरियाणा में कांग्रेसी हार का सिलसिला आज तक नहीं टूटा है, जो लोग यह समझ रहे हैं कि उनके आने से कांग्रेस की गुटबाजी कम होगी, वह बड़ी गलतफहमी में हैं।

# 'हरदा' की पालिटिक्स की 'पाठशाला'

**●चुनाव से पहले चर्चा में रहना है तो वह 'हरदा' से सीखें**
**●'हरदा' की पाठशाला में पढ़ा नेता कभी फेल नहीं होता**
**●कांग्रेसियों के साथ-साथ अन्य दलों के नेता भी दीवाने**

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राजनेताओं के लिए 'हरदा' राजनीति की पाठशाला के रूप में माना जा सकता है। चुनाव से पहले चर्चा में रहना है तो वह 'हरदा' से सीखें। राजनीति के हर रंग में कैसे रंगना है यह हरीश रावत अच्छी तरह से जानते है। चुनावी साल में तो उनकी भूमिका ओर भी महत्वपूर्ण हो जाती है और वह इसका भी फायदा लेना जानते है। इसीलिए 'हरदा' की पाठशाला में पढ़ा नेता अभी फेल नहीं होता है। 'हरदा' की पालिटिक्स पर कांग्रेसियों के साथ-साथ कई अन्य भी दीवाने है।

बता दें कि उत्तराखंड की राजनीति में सिर्फ और सिर्फ हरीश रावत की चर्चा चल रही थी। दरअसल हरीश रावत जानते हैं कि चर्चा में कैसे रहना है। यह उनका आज का नहीं बल्कि पुराना रिकार्ड है कि वह जब चाहे तब चर्चा में रह सकते है। इस बार भी उन्होंने राजनैतिक अवकाश के बहाने एक नई बहस शुरू करने के साथ ही सभी को अपनी ओर खींच लिया और वह खुद चर्चा के केंद्र में आ गए।

राजनीति विशेषज्ञों की माने तो हरीश रावत ने यह कदम सोच-समझकर उठाया था। इस दौरान कांग्रेस ज्वाइन करने वाले नेताओं की चर्चा तो बैकग्राउंड में चली गई, लेकिन 15 दिन के राजनीतिक अवकाश पर गए हरीश रावत दिन-रात चर्चा में रहे। इस दौरान हरीश रावत ने अपनी राजनीतिक ताकत का उत्तराखंड से लेकर दिल्ली तक कांग्रेस के बड़े नेताओं को असहसास करा दिया।

सूत्र बताते है कि हरीश रावत अपने 15 दिन के राजनीतिक अवकाश से लौट आए हैं। कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा पांच दिन के उत्तराखंड दौरे पर हैं। आज से उत्तराखंड का राजनीतिक परिदृश्य बदलेगा।

# कार की चपेट में आकर स्कूटर सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटर सवार घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वीरगीर वाली राजपुर निवासी अजय जैन ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह यहां राजरोड पर किसी काम से आया था। जब वह राजा रोड से बाहर निकला तो पेट्रोल पम्प के सामने एक कार चालक ने उसके स्कूटर पर टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# गूगल ने एविडेंस बेस्ड डेटा के लिए पतंजलि से संपर्क किया

हरिद्वार(आरएनएस)। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी और दुनिया का सबसे लोकप्रिय सर्च इंजन गूगल ने एविडेंस बेस्ड डेटा के लिए पतंजलि से संपर्क किया है। पतंजलि के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने बुधवार को बताया कि गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रयोग के लिए पतंजलि का संग्रहित साक्ष्य आधारित डेटा मांग रहा है। बताया कि यह केवल एक सहयोग नहीं, बल्कि यह संकेत है कि भारत का पारंपरिक ज्ञान अब वैश्विक टेक्नोलॉजी के केंद्र में पहुंच चुका है। गूगल ने 1.25 लाख पृष्ठ और 109 खंड के विश्व भेषज संहिता के डेटा की मांग पतंजलि से की है। गूगल जैसी टेक संस्था का पतंजलि के डेटा पर भरोसा करना सभी भारतीयों के लिए गौरव की बात है। जहां वैश्विक संस्थाएं सीमाओं में बंध गईं, वहां भारतीय परंपरा, तपस्या और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने मिलकर एक ऐसा इतिहास रचा, जिसे अब दुनिया न केवल पढ़ रही है, बल्कि उससे सीख भी रही है। विश्व भेषज संहिता इस बात का प्रमाण है कि जब संकल्प अडिग हो तो अधूरी कहानियां भी इतिहास बन जाती हैं। बताया कि दो दशकों की मेहनत के बाद 3.60 लाख पौधों में 50 हजार औषधीय पौधों की पहचान की गई। 2000 से अधिक जनजातियों के पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण किया गया।

# आठ माह बाद भी सुरक्षा कार्य हुए न ही मुआवजा मिला

चमोली(आरएनएस)। विकासखंड के ग्वालदम में चार से अधिक तोकों की कृषि भूमि बीते वर्ष आपदा से प्रभावित हो गई थी। कृषि भूमि से सटकर बहने वाले बरसाती नालों से करीब 25 नाली भूमि प्रभावित थी लेकिन आपदा के आठ माह बीत बाद भी यहां न तो सुरक्षा कार्य हो पाए न ही काश्तकारों को मुआवजा मिल पाया। ऐसे में ग्रामीणों को बरसात में कृषि भूमि को क्षति होने की चिंता सता रही है। ग्वालदम के ग्राम प्रधान हेमलता गड़िया ने बताया कि ग्वालदम के सब्जी तोक, ताल, करूलपानी और जलचौंरा में बरसाती नालों से विगत वर्ष कृषि भूमि कटाव और भू-धंसाव हुआ था। इस संबंध में ग्राम पंचायत ने सिंचाई विभाग से चेकडैम और आरसीसी दीवार निर्माण की मांग की थी लेकिन आठ माह बाद भी अभी तक इन तोकों में रहने वाले परिवारों की कृषि भूमि सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। फसलों और भूमि को जो नुकसान हुआ था उसका मुआवजा भी यहां के काश्तकारों को नहीं मिल पाया है। वहीं सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि यहां के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है।

# विद्यालयों की जारी ग्रीष्म एवं शीत कालीन समय सारणी का विरोध

काशीपुर(आरएनएस)। माध्यमिक शिक्षक संघ ने विद्यालयों की जारी ग्रीष्म एवं शीतकालीन समय सारणी का विरोध करते हुए आपत्ति जताई। साथ ही सीएम एवं शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर समय सारणी पर पुर्नविचार की मांग की है। माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष स्वतंत्र मिश्रा, जितेंद्र पुंडीर, महावीर बिष्ट ने भेजे पत्र में कहा है कि बीते 6 अप्रैल को जारी समय सारणी में विद्यालयों का ग्रीष्मकालीन समय सुबह 7:45 बजे से अपराह्न 2:05 बजे, शीतकालीन समय सुबह 8:50 से 3:10 तक निर्धारित किया गया है। इससे संघ की प्रदेश जनपदीय कार्यकारिणी ने विरोध व्यक्त किया है। कहा कि यह समय सारणी न तो मैदानी क्षेत्र और न ही पर्वतीय क्षेत्र की भौगोलिक एवं मौसमी परिस्थितियों के अनुकूल है। कहा कि अत्यधिक दूरस्थ क्षेत्र से आने वाले विद्यार्थी एवं शिक्षकों को आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वहीं, शीतकालीन में कोहरे ठंड एवं प्रतिकूल मौसम के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

# बारिश से नालियों में जमा कूड़ा गलियों में भरा

हल्द्वानी(आरएनएस)। वार्ड 31 कंपनी बाग के निवासियों के लिए बुधवार को बारिश फिर से परेशानी लेकर आई। सुबह तड़के बारिश शुरू होने के साथ ही वार्ड में बहने वाले नाले की गंदगी गलियों में जमा हो गई। जिससे लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया। वहीं नगर निगम क्षेत्र में अधूरे निर्माण कार्यों ने भी लोगों के लिए मुसीबत बने रहे। हल्द्वानी का बदहाल ड्रेनेज सिस्टम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। थोड़ी देर की बारिश में ही सड़क और गलियों का जलमग्न होना आम हो गया है। वहीं नहर और नालों में जमा होने वाली गंदगी बारिश के दौरान घरों के लिए परेशानी बढ़ा जाती है। बुधवार तड़के बारिश शुरू होने के साथ ही वार्ड 31 कंपनी बाग में बहने वाले नाले का पानी गलियों में जमा होने लगा। इसके साथ यहां जमा कूड़ा भी सड़कों पर फैल गया। जिससे लोगों के लिए घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया। हालांकि नगर निगम की टीम सफाई के लिए पहुंची। लेकिन दिनभर गलियों में कूड़ा जमा होने से परेशानी बनी रही। वहीं नगर निगम क्षेत्र में सीवरेज और पेयजल के अधूरे कामों ने भी बारिश के दौरान दिक्कत बढ़ा दी।

# लंबगांव-चमियाला सड़क चौड़ीकरण को करना पड़ सकता है इंतजार

नई टिहरी(आरएनएस)। प्रतापनगर और भिलंगना ब्लॉक क्षेत्र के लोगों को लंबगांव-कोटालगांव-चमियाला सड़क चौड़ीकरण होने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क को डेढ़ लेन बनाने की मांग कर रहे हैं लेकिन शासन स्तर पर मामले में कोई ठोस पहल शुरू नहीं हो सकी है। लंबगांव-कोटालगांव-चमियाला सड़क प्रतापनगर और भिलंगना ब्लॉक के बड़े क्षेत्र को जोड़ने के साथ ही चारधाम यात्रा के दौरान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम से केदारनाथ जाने वाले श्रद्धालु इसी मार्ग से गुजरते हैं लेकिन सड़क संकरी होने के कारण यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लंबगांव से चमियाला तक लगभग 40 किमी लंबे मार्ग पर केमुंडाखाल, कोटालगांव और आबकी खिट्टा के समीप सड़क की हालत बेहद खराब है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण यात्रियों को आए दिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। चारधाम यात्रा शुरू होने में अब महज एक सप्ताह का समय बचा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क का चौड़ीकरण हो जाता तो क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ चारधाम यात्रियों को भी सुगम सफर की सुविधा मिलेगी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य गोविंद सिंह रावत का कहना है कि सरकार को सड़क के चौड़ीकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए। कई बार इस संबंध में शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जा चुका है लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी के ईई योगेश कुमार ने बताया कि लंबगांव-कोटालगांव-चमियाला सड़क चौड़ीकरण के लिए शासन को प्रथम चरण का प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। बजट की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। सड़क मार्ग पर जिन-जिन स्थानों पर गड्ढे बने थे उनका मरम्मत कार्य कराया गया है।

## लघु उद्योगों को बढ़ावा देने पर हुई चर्चा

चमोली(आरएनएस)। सहकार भारती के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने सहकारिता से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस दौरान सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आत्म निर्भरता, महिला सशक्तीकरण और लघु उद्योगों को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। सहकार भारती की जिलाध्यक्ष काजल भारती की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तरीय सम्मेलनों के आयोजन पर विचार-विमर्श किया गया। संस्था के मध्य प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री राकेश चौहान ने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए सहकारी कार्यकर्ताओं को शिक्षित और संस्कारित किया जाना नितांत जरूरी है। इस मौके पर प्रांत संगठन प्रमुख राजेश वर्मा, कार्यालय प्रमुख एपी सिंह, पंकज भंडारी, दमयंती रतूड़ी आदि ने विचार व्यक्त किए।

# सुरकंडा मंदिर क्षेत्र में बर्फबारी, घाटी में हुई बारिश और ओलावृष्टि

नई टिहरी(आरएनएस)। जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में ओलावृष्टि होने से फल और फसलों को काफी नुकसान हुआ है। सुरकंडा मंदिर क्षेत्र में बर्फबारी और घाटी वाले क्षेत्रों में दोपहर तक रही बारिश से ठंड बढ़ गई है। सुबह से दोपहर दो बजे तक हुई तेज बारिश के कारण टिहरी बांध की झील कोटीकॉलोनी में ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स की प्रतियोगिताएं भी नहीं हो पाई। बुधवार को टिहरी जिले में दोपहर बाद दो बजे तक खूब तेज बारिश हुई। जबकि सुरकंडा मंदिर क्षेत्र और अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में ओलावृष्टि के बाद खूब बर्फ गिरी। ओलावृष्टि से सेब, आड़ू, खुमानी और घाटी वाले क्षेत्रों में गेहूं और मसूर की फसल को नुकसान हुआ है। बारिश मंगलवार रात आठ बजे से शुरू हो गई थी जो दूसरे दिन बुधवार दोपहर बाद दो बजे थमी। आठ अप्रैल को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टिहरी बांध की झील कोटीकॉलोनी में पांच दिवसीय ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का उद्घाटन करना था लेकिन सुबह से तेज बारिश के कारण उन्हें अपना कार्यक्रम स्थगित कर वर्चुअल उद्घाटन करना पड़ा। बावजूद बारिश के कारण पहले दिन कोई भी प्रतियोगिता नहीं हो पाई। उधर, नैनबाग क्षेत्र में दो दिनों से लगातार ओले गिरने से नकदी फसल मटर, वींस, सेब, खुमानी, आड़ू, पुलम और गेहूं की फसल को भी काफी नुकसान पहुंचा है।

# चारधाम यात्रा और कुंभ के लिए जीआरपी तैयार कर रही रणनीति

हरिद्वार(आरएनएस)। जीआरपी उत्तराखंड की अपराध गोष्ठी रानीपुर स्थित मुख्यालय सभागार में आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक जीआरपी अरुणा भारती ने बैठक में अपराधों की समीक्षा के साथ-साथ लंबित मामलों के निस्तारण, यात्रियों की सुरक्षा को लेकर निर्देश दिए।

आगामी चारधाम यात्रा व कुंभ मेले को लेकर रणनीति तैयार की गई। सीसीटीएनएस/शिकायत प्रकोष्ठ में तैनात महिला हेड कांस्टेबल सीता पांडेय को मार्च माह का एम्प्लॉयी ऑफ द मंथ घोषित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इसके बाद एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि बीट बुक एप के माध्यम से चल रहे सत्यापन अभियान को तेज किया जाए और अधिक से अधिक लोगों का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

थाना और शाखा स्तर पर नियमित मासिक बैठकें कर कर्मचारियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाए। 'ऑपरेशन स्माइल' अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने, वांछित व इनामी अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और गुमशुदा व्यक्तियों की शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एसपी ने विशेष रूप से वर्ष 2025 से लंबित विवेचनाओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने को कहा। रेलवे स्टेशनों पर बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की मदद से त्वरित जांच करने और ट्रेनों में एस्कॉर्ट ड्यूटी को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। साथ ही 'पुलिस आपके द्वार' अभियान के तहत यात्रियों को जहरखुरानी और टिकट धोखाधड़ी के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। बैठक में सभी थानाध्यक्ष, चौकी प्रभारी और शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

# पनियाली में पकड़े बाघ ने ली थी पीपलपोखरा की गंगा देवी की जान

हल्द्वानी(आरएनएस)। फरवरी में कालाढूंगी रोड से लगी फतेहपुर रेंज में बाघ का भारी आतंक रहा। एक ही महीने के भीतर बाघ के हमले में क्षेत्र की दो महिलाओं की जान चली गई।

वन विभाग द्वारा चलाए गए अभियान के बाद पकड़े गए संदिग्ध बाघ की जांच रिपोर्ट अब सामने आ गई है। भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून को भेजे गए सैंपल के अनुसार, पकड़ा गया नर बाघ ही पीपलपोखरा नंबर दो की बुजुर्ग 65 वर्षीय गंगा देवी की मौत का जिम्मेदार है। विभाग को अंदेशा है कि दूसरी महिला पर हमला करने वाला भी यही बाघ हो सकता है। 12 फरवरी को गंगा देवी अपनी बहू और पड़ोसियों के साथ जंगल में घास लेने गई थीं, तभी बाघ ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

इस घटना के बाद वन विभाग ने सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके 13 दिन बाद, 25 फरवरी को जंगल गई पनियाली की कमला देवी (55 वर्ष) भी बाघ का निवाला बन गईं।

लगातार दो मौतों से स्थानीय ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश और दहशत थी। आखिरकार 3 मार्च को, वही नर बाघ दोबारा अपना शिकार (मांस) खाने घटना स्थल पर पहुंचा और विभाग द्वारा लगाए गए जाल में फंस गया। विभाग ने पुष्टि के लिए बाघ के सैंपल जांच के लिए भेजे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, गंगा देवी के शव के पास मिले साक्ष्य पकड़े गए बाघ से मैच हो गए हैं। पनियाली की महिला के मामले में अभी रिपोर्ट आनी बाकी है, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि दोनों घटनाओं के पीछे इसी बाघ का हाथ होने की पूरी संभावना है।बाघ पकड़ने के बाद नहीं हुआ हमलादो महिलाओं की मौत के बाद बाघ के पकड़े जाने के बाद क्षेत्र में हमले की कोई घटना नहीं हुई है। वहीं आबादी क्षेत्र के नजदीक बाघ के मूवमेंट की कोई घटना भी दर्ज नहीं हुई है। ऐसे में पूरी आशंका जताई जा रही है कि दोनों महिलाओं पर हमला करने वाला यही बाघ है।

# खाली पेट वर्कआउट करना शरीर के लिए नुकसानदायक तो नहीं?

इस भागदौड़ वाली जिंदगी में खुद के फिटनेस का ख्याल रखना ही सबसे बड़ी बात है। आजकल ज्यादातर लोग वर्कआउट, एक्सरसाइज, जिम, योग के जरिए खुद को फिट रखने की कोशिश करते हैं। ऐसे में एक सवाल जो अक्सर दिमाग में घुमता है वह यह कि क्या खाली पेट वर्कआउट करना ठीक है? ज्यादातर लोग ऐसे हैं जो सुबह नाश्ता करने से पहले एक्सरसाइज करते हैं। कई हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि किसी व्यक्ति को वजन घटाना है तो उसे खाली पेट ही एक्सरसाइज करनी चाहिए। वहीं खाने के बाद एक्सरसाइज करने से आपको ज्यादा एनर्जी मिलती है और आप काफी लंबे वक्त तक एक्सरसाइज कर पाते हैं। आज हम इस आर्टिकल के जरिए जानेंगे कि खाली पेट एक्सरसाइज करने से होने वाले नुकसान के बारे में साथ ही जानेंगे एक्सरसाइज के बाद और पहले क्या खाना चाहिए। जिससे शरीर को फायदा पहुंचता है।

क्या खाली पेट वर्कआउट करने से आपको अधिक वजन कम करने में मदद मिलती है?

खाली पेट एक्सरसाइज करने को फास्टेड कार्डियो कहा जाता है। ऐसे में यह थ्योरी काम करती है कि आपने जो खाना खाया वह आपके शरीर ने पचाकर फैट और कार्बोहाइड्रेट में बदल दिया जो शरीर को फ़ीड करता है। इससे फैट शरीर को कम लगता है।

2016 के रिसर्च के मुताबिक उपवास का हमारे शरीर पर खासा असर पड़ता है। इस रिसर्च में यह खुलासा किया गया है कि 12 पुरुषों के बीच एक रिसर्च किया गया जिसमें जो लोग एक्सरसाइझ करने से पहले नाश्ता नहीं करते थे। वे अधिक फैट रेड्यूस करते थे। और 24 घंटों में उनका कैलोरी इनटेक कम था। वहीं कुछ स्टडी इस रिसर्च को खारिज करते हैं। साल 2014 में 20 महिलाओं के ऊपर एक रिसर्च किया गया। जिसमें पाया गया कि जिन्होंने वर्कआउट से पहले खाना खाया या उपवास किया। वह 4 सप्ताह के अंदर अच्छा खासा वजन कंट्रोल करने में कामयाब हुए।

खाली पेट वर्कआउट करने से आपका शरीर ईंधन के रूप में प्रोटीन का उपयोग कर सकता है। इससे आपके शरीर में कम प्रोटीन रह जाता है, जो एक्सरसाइज के बाद मांसपेशियों के निर्माण और मरम्मत के लिए आवश्यक होता है। साथ ही, एनर्जी के रूप में फैट का उपयोग करने का मतलब यह नहीं है कि आप अपने पूरे शरीर में से फैट के प्रतिशत कम कर देंगे या अधिक कैलोरी जला देंगे।

क्या खाली पेट वर्कआउट करना सेफ है?

हालांकि खाली पेट वर्कआउट करने के समर्थन में कुछ रिसर्च मौजूद हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह सही है। जब आप खाली एक्सरसाइज करते हैं, तो हो सकता है आपके शरीर के जरूरी प्रोटीन और फैट भी आप खत्म कर लें। लो ब्लड शुगर लेवल कम होने पर एक्सरसाइज के दौरान चक्कर आना। मिचली, कंपकंपी जैसा भी महसूस हो सकता है।

वर्कआउट से पहले या बाद कब खाना चाहिए?

वर्कआउट, जिम ट्रेनिंग, बैडमिंटन,योग , वॉकिंग, गोल्फिंग, रनिंग, टेनिस, क्रिकेट यह सब ऐसे आउटडोर एक्टिवीटि हैं। जिसमें आपको खूब एनर्जी चाहिए। एनर्जी के लिए आपको अपने शरीर को हेल्दी खाना खिलाना होगा। हालांकि, आपको एक्सरसाइज से पहले खाना चाहिए, ताकि आपको खूब एनर्जी और ताकत मिले। यदि आप एक घंटे से अधिक समय तक वर्कआउट करने की योजना बनाते हैं तो यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

# ममूटी-मोहनलाल की फिल्म पैट्रियट तय तारीख से आगे खिसकी

साल 2008 में आई फिल्म ट्वेंटी-20 के बाद, मलयालम सिनेमा के 2 दिग्गज, ममूटी और मोहनलाल फिल्म पैट्रियट के जरिए 18 साल बाद वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म पहले 23 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे आगे खिसका दिया गया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक ऐलान के साथ फिल्म की नई रिलीज तारीख बताई है। इससे पहले, एक आधिकारिक बयान के जरिए फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव होने की पुष्टि की गई थी। मोहनलाल ने पैट्रियट से नया पोस्टर जारी करते हुए बताया है कि फिल्म अब 1 मई को दुनियाभर में रिलीज होगी। इस बदलाव का कारण बताते हुए निर्माताओं ने बयान में कहा था कि वह फिल्म को बेहरतीन गुणवत्ता के साथ सिनेमाघरों में लाने की कोशिश में हैं। कुछ अप्रत्याशित कारणों के कारण इसकी रिलीज तारीख को आगे बढ़ाया गया है। बता दें, पैट्रियट एक हाई-ऑक्टेन जासूसी थ्रिलर है, जिसमें नयनतारा, फहाद फासिल, कुंचाको बोबन और रेवती जैसे कलाकार हैं।


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# लोकसभा में 816 सीट होंगी चुनाव आयोग का परिसीमन का फैसला

अजय दीक्षित

2011 की जनगणना के आधार लोकसभा, राज्यसभा, राज्यों की विधानसभा की सीट का होगा परिसीमन केंद्रीय चुनाव आयोग ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है और संसद से बिल पारित करने का अनुरोध किया हैइस आशय की प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया है। केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय बिल तैयार करने में लगा है। संभवत केंद्र सरकार 29 अप्रैल के 05 राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद परिसीमन आयोग और महिला आरक्षण संबंधी विधेयक संसद के समक्ष प्रस्तुत करे । परिसीमन आयोग की सिफ़रशे मिलने के बाद संभवत लोकसभा में 816 और उसके अनुसार ही राज्यसभा और राज्य विधानसभा सीटों में परिवर्तन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार 2027 के जनगणना के आधार पर पूर्व में परिसीमन कर ना चाहती थी लेकिन आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु,केरल, कर्नाटक पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्री की अपत्ति के बाद 2011 की जनगणना को आधार मानकर परिसीमन का निर्णय लिया है ।

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान,दिल्ली,बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र,पश्चिमी बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश,असम, झारखंड,में अच्छी खासी सीट की बढ़ोत्तरी हो सकती है। क्योंकि इन राज्यों जनसंख्या की बढ़ने की गति अधिक हैकुल लोकसभा में 271 सीट बढ़ रही हैंइसी आधार पर राज्यों की विधानसभा सीटों बढ़ेगी, बताया जा रहा है कि बिहार और उत्तर प्रदेश में सीटों की संख्या काफी बढ़ सकती हैदोनों राज्यों जनसंख्या अधिक है। इसी प्रकार महाराष्ट्र और दिल्ली तीसरे चौथे स्थान पर है।

लोकसभा परिसीमन में सीटों की प्राकृति भी बदल सकती है

अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए आरक्षित सीट बढ़ सकती हैं और बदल भी सकती हैं। प्रत्येक वर्ग की तीस फीसदी सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।यही स्थिति राज्य विधानसभा सीटों में लागू होगी। लोकसभा सीट में अंतिम बार बढ़ोत्तरी 1967 में की गई थी तत्कालीन समय से सीटें 489 से 545 की गई थी।542 सीट पर चुनाव होते थे और एक सीट इंग्लोइंडियन के लिए आरक्षित थी जबकि 2 पर राष्ट्रपति द्वारा मनोनयन किया जाता था। अब 816 सीट होंगी । परिसीमन का अर्थ होता है पत्तो के राजनीतिक रूप से फेंटना या कहे कि किसी लोकसभा,या विधानसभा क्षेत्र में जातियों का संयोजन करना है। मोटे तौर पर देखा जाय तो उत्तर प्रदेश में 80 लोकसभा और 403 विधानसभा क्षेत्र हैतथा जिला जैसे 50 है तो जनसंख्या के आधार पर प्रत्येक जिले में एक सीट बढ़ रही है इसका मतलब है 500 सदस्यता वाली विधानसभा बनी तो एक लोकसभा 05 विधानसभा क्षेत्र किए कुल लोकसभा सीटों संख्या 100 होशकती है।यह अनुमान है।

# तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भूमिका कितनी !

अजय दीक्षित

भारत दक्षिण में अरब सागर और हिन्दमहासगर को मिलाने वाले राज्य तमिलनाडु में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव है।234 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके और स्व जयललिता की एआईडीएमके के बीच है।इस बार एआईडीएमके एनडीए के घटक बनकर, भारतीय जनता पार्टी के साथ चुनाव लड़ रही है। भारतीय जनता पार्टी को 27 सीट पर चुनाव लड़ना है।वही अभिनेता विजय की पार्टी एमडीएम अलग से सभी सीट पर चुनाव मैदान में है।

तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के लिए अभी भी दूर की कौड़ी है। यद्यपि उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन यही से आते हैं वे कोयम्बतूर से दो बार 1998,99 में सांसद निर्वाचित हुए थे।2014 में एक राधाकृष्णन भी कन्याकुमारी से सांसद रहे हैं। लेकिन विधानसभा चुनाव में खाता नहीं खुला है।केरल की तरह यहां पर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य है।

अगर इस बार के विधानसभा चुनाव की बात करे तो स्टालिन के साथ दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर है लेकिन स्टालिन अभी भी सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। एआईडीएमके में कोई विशेष नेता नहीं है यद्यपि पनीर स्वामी, पानीसेलवम दोनों दावेदारी कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि हम दोनों को स्वीकार करेंगे।

1966 से भाषाई आधार पर राज्यों के गठन में तमिल भाषा बोल ने वाले क्षेत्र को तमिलनाडु राज्य बनाया गया। इससे मद्रास प्रेसीडेंसी के सभी भाग समाहित किए गए। तत्कालीन समय में कांग्रेस के दिग्गज नेता कामराज नाडार मुख्यमंत्री बने लेकिन पेरियार नामक संत ने डीएमके की हिंदी भाषा के विरोध में राजनीत शुरू की। पेरियार के शिष्य अन्नादुरई ने डीएमके यानि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम,ये शब्द तमिल भाषा से लिया गया है। इसका अर्थ है कि तमिलनाडु राज्य आंदोलन जो पेरियार ने शुरू किया था।दरअसल तमिलनाडु भारत का एक ऐसा राज्य है जो दक्षिण भारत का लीडर हैतमिल ,तेलगु, मलयालम, और कन्नड़ ये ऐसी भाषाएं हैं जो संस्कृत से बनी यद्यपि इनकी लिपि देवनागरी नहीं है लेकिन संस्कृत ही त्रेता युग से जुड़ी है। डीएमके के लोग कवि त्रिबल्लूर को मानते हैंडीएमके के प्रमुख रहे स्व करुणानिधि हिंदू देवी देवताओं को नहीं मानते थे।वे राज्य के जीवन में कई बार मुख्यमंत्री रहे अब उनके पुत्र स्टालिन मुख्यमंत्री है । करुणानिधि ने पेरियार के हिन्दी भाषा विरोध को कायम रखा।अब स्टालिन भी उन्हीं के पद चिन्हों पर है । 2026 विधानसभा चुनाव में डीएमके तमिल भावनाओं को लेकर चुनाव में है ।जबकि एआईडीएमके एनडीए से मिलकर महंगाई, भ्रष्टाचार,को मुद्दे पर चुनाव मैदान में है।

## शब्द सामर्थ्य -096

( भागवत साहू )

**बाएं से दाएं**

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

**ऊपर से नीचे**

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

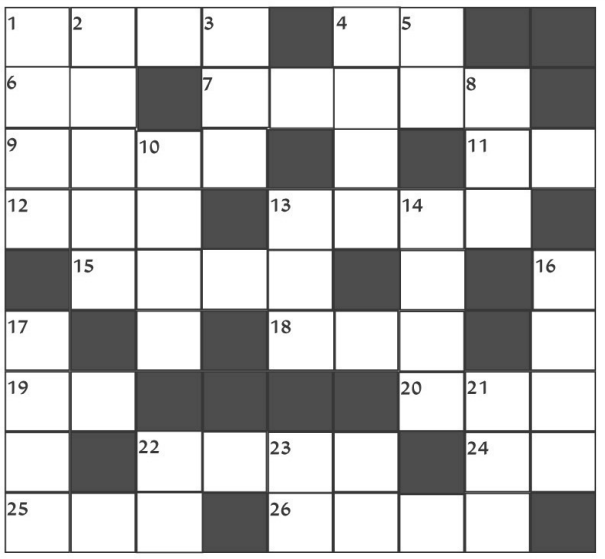

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 95 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दि | क्क | त | ■ | आ | सा | न | ■ | आ |
| ल | ■ | मी | ■ | खि | ■ | सी | ख | ना |
| ■ | म | ज | बू | र | ■ | ह | ■ | जा |
| स | र्द | ■ | ■ | का | ■ | त | रा | ना |
| र | ■ | ■ | ■ | र | वि | ■ | ह | ■ |
| प | ह | ना | ना | ■ | ना | रा | ज | ■ |
| ट | ■ | ■ | क | शि | श | ■ | नी | ला |
| ■ | र | ■ | ■ | का | ■ | रा | ■ | य |
| खा | ति | र | दा | री | ■ | त | क्ष | क |

# मौसम खुला तो केदारनाथ में यात्रा तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार

रुद्रप्रयाग (सं)। बीते सप्ताह से लगातार बदलते मौसम और बर्फबारी के कारण केदारनाथ यात्रा की तैयारियां रुक गई थीं। बृहस्पतिवार को धूप खिली तो डीडीएमए के श्रमिक, मंदिर समिति के कर्मचारी, पुलिस और आईटीबीपी के जवान फिर से बर्फ हटाने में जुट गए। बर्फ हटाने के लिए जेसीबी की भी मदद ली गई। वहीं बीते दिनों हुई भारी बर्फबारी के बाद केदारनाथ धाम से लिनचोली तक साफ किए गए मार्ग पर दोबारा बर्फ जम गई है। बृहस्पतिवार सुबह मौसम साफ रहने के बाद दोपहर बाद फिर धाम में मौसम बिगड़ गया। धाम में आवश्यक सामग्री घोड़े-खच्चरों के माध्यम से पहुंचाई जा रही है। वहीं केदारनाथ-गौरीकुंड मार्ग पर घोड़ा पड़ाव से आगे भी काम शुरू कर दिया गया है। डीडीएमए के अधिशासी अभियंता राजवीर ने बताया कि टीम की ओर से बर्फ हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है।


गृह मंत्रालय भारत सरकार

# हमारी जनगणना, हमारा विकास

## (जनगणना 2027 का पहला चरण)

भारत सरकार द्वारा आपके राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना आरंभ होने जा रही है
इससे पहले 15 दिनों की विशेष सुविधा दी जा रही है, जिसमें आप स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं

## स्व-गणना (Self-Enumeration)

सरल और सुरक्षित डिजिटल सुविधा

### कैसे करें स्व-गणना ?

1. आधिकारिक पोर्टल (se.census.gov.in) पर जाएँ
2. अपने मोबाइल नंबर से OTP द्वारा लॉगिन करें
3. अपना राज्य, जिला और स्थानीय विवरण चुनें
4. डिजिटल मानचित्र पर अपने घर का स्थान चिन्हित करें
5. मकान एवं परिवार से संबंधित जानकारी भरें
6. सबमिशन के बाद SE ID मिलेगी
7. SE ID सुरक्षित रखें
8. प्रगणक (Enumerator) आने पर SE ID दें
9. प्रगणक जानकारी की पुष्टि करेंगे

### इसके लाभ

- समय की बचत
- सटीक जानकारी
- तेज़ डेटा प्रोसेसिंग

### याद रखें स्व-गणना एक विशेष सुविधा है

यदि आप स्व-गणना नहीं कर पाते हैं, तो चिंता न करें, निर्धारित अवधि में प्रगणक आपके घर आकर जानकारी अवश्य दर्ज करेंगे

आपकी सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित रहेगी

### उत्तराखंड

**स्व-गणना**
10 से 24 अप्रैल

**मकानसूचीकरण**
25 अप्रैल से 24 मई

CBC 19108/13/0001/2627

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी

CensusIndia2027

## पुलिस ने बैरियरों पर तलाशी व सत्यापन अभियान को तेज किया

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत बाहरी लोगों की आवाजाही को देखते हुए सत्यापन अभियान को भी तेज किया गया है। जनपद की सीमाओं पर लगे बैरियरों पर वाहनों की सघन तलाशी लेकर ही आगे एंट्री दी जा रही है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशों पर पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के नेतृत्व में उत्तरकाशी पुलिस की ओर से प्रतिदिन सुबह-शाम सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जनपद के सभी अंतरराज्यीय व अंतर जनपदीय बैरियर, पुलिस नाके, एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स, होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, धर्मशालाएं, बस स्टेशन और अन्य संवेदनशील स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। एसपी कमलेश उपाध्याय ने बताया कि चारधाम यात्रा के मद्देनजर बाहरी लोगों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए सत्यापन अभियान भी तेज किया गया है। अब तक पुलिस ने 193 व्यक्तियों का सत्यापन किया है जबकि कानून-व्यवस्था भंग करने पर 122 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। यातायात नियमों के उल्लंघन पर 117 चालान किए गए हैं और ड्रंक एंड ड्राइव के मामलों में तीन चालकों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी ने आम लोगों से कहा कि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस या डायल 112 पर दें।

## डोईवाला में आईटीआई खोलने की मांग उठी

ऋषिकेश(आरएनएस)। डोईवाला में आईटीआई संस्थान नहीं होने क्षेत्र के युवाओं को दूर-दराज के क्षेत्रों का रुख करना पड़ रहा है। ऐसे में क्षेत्र में आईटीआई खोलने की मांग उठने लगी है। डोईवाला ब्लॉक प्रमुख ने कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग उत्तराखंड के मंत्री सौरभ बहुगुणा को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में आईटीआई कॉलेज खोलने की मांग की। बुधवार को देहरादून में डोईवाला ब्लॉक प्रमुख गौरव चौधरी ने कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 के बाद आईटीआई का संचालन बंद होने से क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण के लिए दूर-दराज के संस्थानों में जाना पड़ रहा है। इससे उन्हें समय और आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है, जबकि कई युवा प्रशिक्षण से वंचित भी रह जाते हैं। डोईवाला क्षेत्र में चीनी मिल सहित अनेक औद्योगिक और अर्द्ध-औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं, जहां प्रशिक्षित युवाओं की लगातार आवश्यकता बनी रहती है। यदि डोईवाला में आईटीआई की स्थापना होती है तो स्थानीय युवाओं को ऑन-जॉब ट्रेनिंग के साथ रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और क्षेत्र के औद्योगिक विकास को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने डोईवाला को अन-सर्व्ड ब्लॉक मानते हुए यहां आईटीआई खोलने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र शुरू करने की मांग की। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि डोईवाला क्षेत्र की मांग पूरी तरह जायज है। विभाग स्तर पर प्रस्ताव का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि युवाओं को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके।

### सू- दोकू क्र.096

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 9 | | 1 | 6 | | 2 | | 7 |
| 3 | | | | | | | | |
| | | 6 | | | | | 9 | |
| 7 | | | 5 | | 1 | | 3 | |
| | 8 | | | 9 | | 6 | | 2 |
| | | 4 | | | | | 7 | |
| | 3 | | | | 2 | 9 | | 6 |
| 6 | | 7 | 3 | | | | | 4 |
| | 4 | | | 1 | | 7 | 8 | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.95का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 6 | 3 | 9 | 8 | 7 | 1 | 5 | 4 |
| 8 | 5 | 1 | 3 | 2 | 4 | 6 | 7 | 9 |
| 9 | 4 | 7 | 1 | 5 | 6 | 8 | 2 | 3 |
| 3 | 9 | 8 | 6 | 7 | 1 | 5 | 4 | 2 |
| 6 | 1 | 2 | 5 | 4 | 3 | 9 | 8 | 7 |
| 5 | 7 | 4 | 8 | 9 | 2 | 3 | 1 | 6 |
| 1 | 2 | 6 | 7 | 3 | 5 | 4 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 5 | 2 | 6 | 9 | 7 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 4 | 1 | 8 | 2 | 6 | 5 |

# पुल बनने के बाद भी नहीं बन सकेगी एप्रोच रोड

कोटद्वार(आरएनएस)। आमसौड़-जमरगड्डी मोटर मार्ग पर निर्माणाधीन एक पुल तक एप्रोच बनाने के लिए अभी तक वन भूमि का हस्तांतरण नहीं हो पाया है जिससे पुल बनने के बाद भी ग्रामीणों को पैदल ही आवाजाही करनी पड़ेगी। मार्ग पर तीन पुलों का निर्माण कार्य अभी तक अधूरा पड़ा है।

काटल, जमणसार, मानपुर, जमरगड्डी, सुनारी, धरियालसार, घट्टाधार, पलेठा को सड़क से जोड़ने के लिए शासन ने पांच किमी आमसौड़-जमरगड्डी सड़क निर्माण को मंजूरी प्रदान करते हुए प्रथम चरण के निर्माण कार्य के लिए 321.22 लाख रुपये के बजट अवमुक्त किया। कार्यदायी संस्था नेशनल प्रोजेकट कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन (एनपीसीसी) पीएमजीएसवाई दुगड्डा की ओर से वर्ष 2019-20 में रोड कटिंग का कार्य किया गया। शासन की ओर से द्वितीय चरण के निर्माण कार्य के लिए 231.60 लाख रुपये का बजट अवमुक्त किया गया। कार्यदायी संस्था ने मार्च 2022 में द्वितीय चरण में सुरक्षा दीवार, पुश्ते, रिटेनिंग वाल, काजवे, नाली निर्माण, स्कपर आदि के निर्माण कार्य करवाए। इस बीच 2023 में सड़क के डामरीकरण व तीन मोटर पुलों का निर्माण के लिए शासन की ओर से 4.92 करोड़ रुपये अवमुक्त किए गए।

कार्यदायी संस्था ने डामरीकरण के साथ ही पुलों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। वर्ष 2023 में आई आपदा में पहाड़ी में भारी भूस्खलन होने से प्रथम दो पुलों के निर्माण स्थल में भी अतिवृष्टि से अधिकांश हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। प्रथम पुल के निर्माण स्थल की काफी भूमि बरसाती नाले में समा गई जिससे पुलों का निर्माण कार्य अधर में लटक गया। वर्तमान में कार्यदायी संस्था की ओर से आपदा मद से मिली 58 लाख की धनराशि से क्षतिग्रस्त पुश्तों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसके बाद अधूरे पड़े तीनों पुलों के निर्माण कार्य शुरू होने हैं लेकिन पुल बनने के बाद भी लोगों को राहत मिलने की उम्मीद कम ही है। दरअसल पुल व मोटर मार्ग के बीच का हिस्सा आरक्षित वन क्षेत्र है। वन भूमि हस्तांतरित न होने से पेड़ों के पातन की अनुमति नहीं मिल पाई है। वन भूमि हस्तांतरित किए बगैर उनका पातन व एप्रोच निर्माण कार्य करना संभव नहीं है।

## बारिश से गेहूं की फसल चौपट, किसानों पर दोहरी मार

रुड़की(आरएनएस)। असमय बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। बुधवार को अचानक बदले मौसम ने गेहूं की कटाई के बाद खेतों में रखी फसल को बुरी तरह प्रभावित किया। जिन खेतों में फसल कटी पड़ी थी, वहां पानी भरने से गेहूं भीग गया, जिससे दानों के काले पड़ने और गुणवत्ता खराब होने का खतरा बढ़ गया है। कई जगह तेज हवाओं ने हालात और बिगाड़ दिए, जिससे तैयार फसल को अतिरिक्त नुकसान हुआ। किसान बोले, गेहूं की फसल का सर्वे कराकर सरकार मुआवजा दे कलियर। क्षेत्र में बीते दिनों हुई बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की गेहूं की फसल को पहले ही भारी नुकसान पहुंचाया था। खेतों में खड़ी तैयार फसल जमीन पर बिछ गई थी और किसान इस नुकसान से उबर भी नहीं पाए थे कि मंगलवार से शुरू हुई लगातार बारिश ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी है। किसानों ने सरकार से मांग की है कि प्रभावित खेतों का जल्द सर्वे कराकर नुकसान का आकलन किया जाए और उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। बारिश के चलते गेहूं की कटाई का कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। कई खेतों में कटी पड़ी फसल पानी में भीग रही है, जबकि पहले से गिरी फसल के सड़ने और खराब होने का खतरा मंडरा रहा है।

## बिखौती कर्ण महोत्सव 13 से, संगम पर होगी गंगा आरती

चमोली(आरएनएस)। अलकनंदा और पिंडर के संगम पर हर वर्ष होने वाले मेले में पालिका की ओर से पौराणिकता और परंपराओं लौटाने की तैयारी की है। इसी के तहत यहां संगम पर गंगा आरती की शुरुआत 14 अप्रैल से होगी। साथ ही स्थानीय एवं राज्य के कलाकारों के रंगारंग कार्यक्रम, कवि सम्मेलन व खेलकूद प्रतियोगिताएं भी होंगी। नगर पालिका परिषद की ओर से बिखौती कर्ण महोत्सव का आयोजन 13 अप्रैल को पैरूल पूजा एवं कलश यात्रा से किया जाएगा। नपा अध्यक्ष गणेश शाह, ईओ नरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 13 अप्रैल को महिला मंगल दल, स्वयं सहायता समूह एवं स्कूली बच्चों के कार्यक्रम होंगे। वहीं स्टार नाइट में हेमा करासी, विवेक नौटियाल, सौरभ मैठाणी और जागर सम्राट प्रीतम भरतवाण कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। रन एंड फन, चित्रकला, पेंटिंग प्रतियोगिता एवं कवि सम्मेलन भी होगा। सीएम पुष्कर सिंह धामी सहित मंत्रियों और विधायकों को मेले के लिए आमंत्रित किया गया है।

## हरिपुर कलां में जर्जर सड़कों का जल्द निर्माण करे लोनिवि

ऋषिकेश(आरएनएस)। हरिपुरकलां में सीवर लाइन खुदाई के दौरान तमाम सड़कें खोदी गई। तब से अभी तक यहां सड़कों का निर्माण नहीं हो पाया है। ऐसे में जर्जर सड़कों के चलते क्षेत्रवासी परेशान हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंप समस्या के समाधान की मांग की। बुधवार को ऋषिकेश स्थित लोक निर्माण कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा। हरिपुर कलां की ग्राम प्रधान सविता शर्मा ने कहा कि पेयजल निगम द्वारा हरिपुर कलां क्षेत्र में सीवर की पाइप लाइन बिछाने के दौरान गांव की मुख्य सड़कों को खोद दिया गया था, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बावजूद सड़क निर्माण का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। इसके चलते सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे आमजन, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र की कई सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है, जिससे लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। कांग्रेस नेता जयेंद्र रमोला ने कहा कि गांव में पेयजल आपूर्ति की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। पुरानी सीवर लाइन क्षमता से अधिक लोड होने के कारण ओवरफ्लो हो रही है, जिससे गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है और गंगा नदी तक पहुंचकर प्रदूषण का कारण बन रहा है। ग्रामीणों को कई महीनों तक गंदे पानी और बदहाल व्यवस्था के बीच रहना पड़ रहा है।

# ओपीडी कैंपस में भी व्हीलचेयर और स्ट्रेचर हो सकेंगे उपलब्ध

कोटद्वार(आरएनएस)। राजकीय बेस अस्पताल में अब मरीजों को ओपीडी कैंपस में भी व्हीलचेयर और स्ट्रेचर उपलब्ध हो सकेंगे। विधायक के निर्देश पर अस्पताल प्रशासन ने दवा वितरण कक्ष से इस व्यवस्था को संचालित करना शुरू कर दिया है। बेस अस्पताल में रोजाना आने वाले करीब 500 मरीजों में कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें व्हीलचेयर की आवश्यकता होती है। ओपीडी कैंपस में मरीजों और तीमारदारों को व्हीलचेयर नहीं मिल पा रही थी। इमरजेंसी वार्ड में आने वाले मरीजों को जरूरत होने पर व्हीलचेयर एवं स्ट्रेचर उपलब्ध हो पा रहे थे। ऐसे में ओपीडी में आने वाले मरीजों के तीमारदारों को व्हीलचेयर के लिए इमरजेंसी वार्ड पर पहुंचकर संपर्क करना पड़ रहा था। कई बार यहां भी व्हीलचेयर नहीं मिलने पर तीमारदार परेशान होते थे। मरीजों को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए विधायक ऋतु खंडूड़ी ने अस्पताल प्रशासन को ओपीडी में भी मरीजों के लिए व्हीलचेयर और स्ट्रेचर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस पर अस्पताल प्रशासन ने एक स्ट्रेचर, पांच व्हीलचेयर की व्यवस्था ओपीडी कैंपस में की है। इस व्यवस्था को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए इंटर कॉम सेवा शुरू की जा रही है।

अभी ओपीडी कैंपस में जनरल फिजिशियन, सर्जन के अलावा, बाल रोग, अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं फिजियोथेरेपिस्ट बैठते हैं। पैथोलॉजी लैब भी इसी कैंपस में है। आगामी दिनों में कान-नाक-गला, दांत, नेत्र रोग के विशेषज्ञ एवं होम्योपैथी की ओपीडी भी इसी कैंपस में संचालित होगी।

## लालढांग मार्ग को एलिवेटेड रोड बनाने की मांग

कोटद्वार(आरएनएस)। भाबर के चिल्लरखाल बैरियर पर लालढांग-चिल्लरखाल एलिवेटेड मार्ग निर्माण को लेकर धरना प्रदर्शन आंदोलन बुधवार को 208वें दिन भी जारी रहा। आंदोलकारियों ने कहा कि उत्तराखंड में जगह जगह एलिवेटेड रोड बन रहे हैं। वन्यजीवों के आवागमन के लिए अंडरपास बन रहे हैं, लेकिन लालढांग चिल्लरखाल रोड की सुध कोई लेना ही नहीं चाहता है।

# मानचित्रक के पद पर चयनित 12 अभ्यार्थियों को मुख्यमंत्री धामी ने दिये नियुक्ति पत्र

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग के अंतर्गत मानचित्रक के पद पर चयनित 12 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी अभ्यर्थी अपने कार्यक्षेत्र में पूरी ईमानदारी और लगन से कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है। इस कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के बाद प्रदेश में अब तक 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की युवाओं के प्रति प्रतिबद्धता और सुशासन का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, साथ ही मिलेट के उत्पादन और विपणन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार तथा फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त राज्य में सेब, कीवी, बागवानी एवं औषधीय पौधों की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य कृषि को लाभकारी और युवाओं के लिए आकर्षक बनाना है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस क्षेत्र से जुड़ सकें। कार्यक्रम में कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, सचिव कृषि एस.एन. पाण्डेय, अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

# बैशाखी स्नान पर्वः यातायात नियम का पालन न करने वालों पर होगी कार्यवाही

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बैशाखी स्नान पर्व एवं सद्भावना सम्मेलन में यातायात का दबाव बढने पर भारी वाहनों को बार्डर पर ही रोका जायेगा। यातायात का दबाव बढने पर नगला इमरती से वाहनों को डायवर्जन कर बैरागी कैम्प पार्किंग/होर्डिंग एरिया में लाया जायेगा जहां से धीरे-धीरे करके वाहनों को छोड़ा जायेगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने बताया कि बैशाखी स्नान पर्व एवं सद्भावना सम्मेलन दिनांक-13/14/15.04.2026 हेतु हरिद्वार शहर का यातायात प्लान पुलिस ने जारी कर दिया है। जिसके तहत चीला मार्ग को ऋषिकेश से केवल एक्जिट के लिए प्रयोग किया जायेगा। सामान्य यातायात के दबाव में गुरूकुल कांगड़ी सर्विस लेन से सिंह द्वार होते हुए शंकराचार्य चौक की ओर भेजा जायेगा जिससे वाहनों का प्रवेश शहर में धीमा होगा। टोल प्लाजा पर वाहन की एक्जिट का दबाव बढने पर एक्जिट के लिए नहरपटरी का प्रयोग किया जायेगा। यातायात का दबाव बढने पर देहरादून, ऋषिकेश जाने वाली प्राईवेट बसों को मोहण्ड के रास्ते भेजा जायेगा।

बैशाखी स्नान पर्व एवं सद्भावना सम्मेलन के दौरान ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाने पर समयानुकुल देहरादून/ऋषिकेश/रायवाला की तरफ से आने वाले विक्रम/ऑटो रिक्शा को फोरलेन जयराम मोड़ तक ही आने दिया जायेगा। जयराम मोड़ से आगे नही जायेंगे। ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाने पर पुल जटवाडा/ज्वालापुर से आने वाले विक्रम/ऑटो रिक्शा रानीपुर मोड, देवपुरा होते हुए बस स्टेशन/रेलवे स्टेशन शिवमूर्ति तिराह से डायवर्जन यू-टर्न तुलसी चौक की ओर करते हुए कनखल की ओर तथा ज्वालापुर की तरफ जाने वाले विक्रम/ऑटो रिक्शा को मायापुर फायर सर्विस से देवपुरा चौक होते हुए रानीपुर मोड से बीएचईएल तथा ज्वालापुर जा सकेगें। बीएचईएल की तरफ से आने वाले विक्रम/ऑटो रिक्शा भगत सिंह चौक होते हुए टिबडी फाटक, पुराना रानीपुर मोड, देवपुरा होते हुए बस स्टेशन/रेलवे स्टेशन शिवमूर्ति तिराह से डायवर्जन यू-टर्न तुलसी चौक की ओर करते हुए कनखल की ओर तथा ज्वालापुर की तरफ जाने वाले विक्रम/ऑटो रिक्शा को मायापुर फायर सर्विस से देवपुरा चौक होते हुए रानीपुर मोड से बीएचईएल तथा ज्वालापुर जा सकेगे। बैशाखी स्नान पर्व एवं सद्भावना सम्मेलन के दृष्टिगत दिनांक 12.04.2026 की रात्रि 12.00 बजे से सद्भावना सम्मेलन/स्नान पर्व समाप्ति तक हरिद्वार शहर क्षेत्र में सभी भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

# श्रमिकों को स्थानीय आवश्यकता के अनुसार दिया जाए कौशल प्रशिक्षणः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान दिया जाए।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा विकसित श्रमिक सेवा मोबाइल एप का लोकापर्ण करने के साथ ही 8005 श्रमिकों के खाते में 17 करोड़ से अधिक राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तातंरण किया। मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बोर्ड को अधिक से अधिक श्रमिकों तक पहुंचने के निर्देश दिए।

उन्होने कहा कि, अनुदान वितरण में पारदर्शिता बरते जाने के क्रम में ऑफलाईन अनुदान वितरण बन्द कर ऑनलाईन निस्तारण एवं डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के खातों में धनराशि का हस्तांतरण किया जा रहा है। इस प्रक्रिया के जरिए अब तक 11828 लाभार्थियों को कुल 29.89 करोड़ की धनराशि वितरित की जा चुकी है। आज 8005 लाभार्थियों को कुल 17.25 करोड़ की धनराशि वितरित की जा रही है। इस प्रकार विगत 06 माह में अब तक कुल 19833 लाभार्थियों को 47.14 करोड़ की धनराशि वितरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान दिया जाए, खासकर पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए स्थानीय श्रमिकों को पलम्बर, इलैक्ट्रिशियन, मिस्त्री, कारपेन्टर आदि क्षेत्रों में कौशल प्रदान किया जाए। इसी तरह योगा एंव वेलनेस में रोजगार की सम्भावना को देखते हुए आगामी सत्र में श्रमिकों के बच्चों को योग एवं वेलनेस में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोर्ड निर्माण श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को कौशल प्रशिक्षण उपरान्त विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भी प्रयास करे। इसके लिए विदेश मंत्रालय भारत सरकार में पंजीकृत एजेन्सी के माध्यम कार्यवाही की जाए। साथ ही श्रमिकों को पीएम स्वनिधि योजना से जोड़ने और उनका समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण पर भी ध्यान दिया जाए। इस हेतू श्रमिकों के कार्य स्थल पर ही चिकित्सा परीक्षण की व्यवस्था की जाए, ताकि उनके रोजगार में व्यवधान उपलब्ध न हो। इस मौके पर श्रमायुक्त पीसी दुम्का ने बताया कि यूकेएलसीसीएमसी पोर्टल के माध्यम से अब तक 16000 अधिष्ठानों का पंजीकरण हो चुका है, जिसके जरिए शुल्क के रूप में अस्सी लाख रूपये मात्र धनराशि जमा हो चुकी है, साथ ही बोर्ड के पास अब तक कुल 324 करोड़ की धनराशि सेस के रूप में जमा हो चुकी है। जिसे श्रमिकों के कल्याण में उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निर्माण श्रमिकों के बीच सामग्री वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था की जा रही है। जिससे लाभार्थियों का लाईव फोटो एवं जियो ट्रेकिंग द्वारा सामग्री वितरण सुनिश्चित किया जायेगा। इस मौके पर उपायुक्त विपिन कुमार सहित बोर्ड के अन्य अधिकारी उपस्थित हुए।

# अतिक्रमण के विरोध में लघु व्यापारियों ने किया सभा का आयोजन

संवाददाता

हरिद्वार। अतिक्रमण के विरोध में लघु व्यापारियों ने सभा का आयोजन किया।

आज यहां समस्त नगर निगम क्षेत्र में रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों सहित नगर निगम प्रशासन द्वारा विकसित किए गए तीन वेंडिंग जोन जिसमें प्रथम वेंडिंग जोन चण्डी चौराहा ललतारो मार्ग दूसरा भगत सिंह चौक से सेक्टर टू बेरियल तीसरा पुल जटवाड़ा ज्वालापुर के ऐसे सभी वेंडिंग जोन में मूलभूत सुविधाओं के साथ शीघ्र ही फेरी समिति की बैठक बुलाए जाने की मांग के साथ नगर निगम प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण अभियान के दौरान नगर निगम प्रशासन द्वारा लाइसेंस विक्रय प्रमाण पत्र के लघु व्यापारियों को उनके कारोबार से हटाए जाने के विरोध में प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में नगर निगम प्रांगण में विरोध सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त नंदन कुमार ने रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों का आश्वासन देते हुए कहा एक सप्ताह के भीतर फेरी समिति की बैठक का आयोजन कर उत्तराखंड शासन नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार उचित कार्रवाई के निर्देशन संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों को दिए गए हैं उन्होंने यह भी कहा आगामी योजना के तहत दो नए वेंडिंग जोन का डीपीआर तैयार उत्तराखंड शासन से सुकृति के लिए भेजा गया है शीघ्र ही शासन के आदेश प्राप्त होने के उपरांत नगर निगम में पंजीकृत सभी स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को आगामी वेंडिंग जोन की योजना में शामिल करना हमारी प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा अतिक्रमण अभियान के दौरान नगर निगम प्रशासन द्वारा आवंटित किए गए लाइसेंस प्राप्त लाभार्थी को उनके कारोबार से हटाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है उन्होंने कहा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना उत्तराखंड शासन नगरीय फेरी नीति नियमावली 2016 के नियम अनुसार पंतद्वीप पार्किंग, रेलवे रोड, भीम गोडा, काली मंदिर मार्ग, विष्णु घाट, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन के बाहर ज्वालापुर नवीन मंडी मार्ग इत्यादि क्षेत्रों में नगर निगम प्रशासन द्वारा वर्ष 2018 में सर्वे कराकर सर्वे सूची में 2545 रेड़ी पटरी के लघु व्यापारी शामिल किए गए थे नगर निगम में सभी पंजीकृत लघु व्यापारियों को नए वित्तीय वर्ष 26 27 के नियम अनुसार फेरी समिति की बैठक के निर्णय को क्रियान्वन करते हुए नगर निगम प्रशासन द्वारा कारोबारी लाइसेंस दिया जाना न्याय संगत होगा उन्होंने कहा आगामी चार धाम यात्रा के दृष्टिगत सभी क्षेत्रों में रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों की पहचान कर लाइसेंस प्रक्रिया से जोड़े जाने की कार्रवाई नगर निगम प्रशासन को प्रचलन में लानी होगी। अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर नगर आयुक्त नंदन कुमार से भेट वार्ता करते लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों में सुनील कुकरेती, फूल सिंह, कुंदन कश्यप, शिवम सैनी, राजू जैन, जय भगवान, रणवीर सिंह, उमेश कुमार, कमल, पंडित नंदकिशोर गोस्वामी, नीरज कश्यप, मनीष शर्मा, सुशांत कुमार, रामनरेश, आजम अंसारी, धर्मपाल, कामिल, नईम, विकास सक्सेना, दिलीप कुमार, कामिनी मिश्रा, सीमा देवी, मंजू, सुनीता, इंदिरा देवी, पुष्पा दास, अनीता, आशा, सुमन आदि भारी तादात में लघु व्यापारी शामिल रहे।

# सड़क दुर्घटना में 3 युवकों की मौत

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सड़क दुर्घटना बीती देर शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से जहां रेड़ी सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं एक गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी हालत गम्भीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रैफर कर दिया है।

सड़क हादसे की यह घटना सितारगंज क्षेत्रांर्तगत अमरिया रोड के मलपुरी इलाके में घटित हुई है। यहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे जा रही रेडी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि रेडी में सवार तीन युवक मौके पर ही अपनी जान गंवा बैठे, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। चिकित्सकों ने उसे तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गुरुवार की शाम युवक गौरीखेड़ा से सितारगंज की ओर रेडी पर सवार होकर जा रहे थे। अचानक पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा अज्ञात वाहन रेडी से टकरा गया। टक्कर इतनी भयंकर थी कि रेडी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। युवकों को बचाने का कोई मौका ही नहीं मिला। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को प्राथमिक उपचार के लिए सितारगंज उपजिला चिकित्सालय ले गई। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर भेज दिया। मृतकों की पहचान शादाब, नाजिम और सुलतान के रूप में हुई है। तीनों गौरीखेड़ा, सितारगंज के रहने वाले थे। हादसे की खबर सुनते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। सितारगंज उपजिला चिकित्सालय के बाहर परिजनों का जमावड़ा लग गया।

सितारगंज पुलिस ने तुरंत मामले में संज्ञान लिया। क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धौनी खुद मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अज्ञात वाहन की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस ने आसपास के इलाकों में चेकिंग भी तेज कर दी है। एसपी उधम सिंह नगर ने कहा है कि दोषी वाहन चालक को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

## ऑटो में महिला की चेन चोरी

देहरादून (सं)। प्रतीतनगर निवासी चन्द्रकांता ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह रायवाला से ऋषिकेश के लिए ऑटो में बैठकर गयी थी। जब वह ऑटो से उतरी तो उसने देखा कि उसके गले से उसकी चेन गायब थी। उसने बताया कि ऑटों में बैठी किसी महिला ने उसके गले से चेन चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# ऑपरेशन प्रहार: अवैध एलपीजी गैस रिफिलिंग गैंग का पर्दाफाश

हमारे संवाददाता

नैनीताल। आपरेशन प्रहार के तहत बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने अवैध एलपीजी गैस रिफिलिंग गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो सगे भाईयों को गिरफ्तार कर उनके पास से 34 छोटे बड़े सिलेण्डर व रिफिलिंग में प्रयुक्त उपकरण बरामद किये है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि बीते रोज कोतवाली रामनगर पुलिस को सूचना मिली कि खराड़ी क्षेत्र स्थित एक मकान में घरेलू गैस सिलेण्डर की अवैध रिफिलिंग कर कालाबाजारी की जा रही है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये मकान पर छापेमारी कर दो लोगों को हिरासत में ले लिया गया। यहां घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करते हुए

**❑दो सगे भाई गिरफ्तार, 34 सिलेण्डर व रिफिलिंग के उपकरण बरामद**

अवैध भंडारण एवं रिफिलिंग का कार्य किया जा रहा था। पुलिस टीम द्वारा मौके पर कार्रवाई करते हुए कुल 34 छोटे-बड़े गैस सिलेंडर एलपीजी रिफिलिंग के उपकरण, तराजू व बाट तथा लगभग आधा ड्रम डीजल बरामद किया गया। हिरासत में लिए गये लोगों ने अपना नाम अमन उर्फ भल्ला पुत्र रईस अहमद, निवासी खताड़ी, नार्मल स्कूल के पास, रामनगर व शहजाद उर्फ शैजी पुत्र रईस अहमद, निवासी खताड़ी, नार्मल स्कूल के पास, रामनगर बताया। दोनो आरोपी सगे भाई है। जिनके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है। मामले में एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी का कहना है कि जनसुरक्षा से खिलवाड़ और एलपीजी की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही जारी रहेगी। अवैध भंडारण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होने आमजन से अपील की है कि यदि आपके आसपास गैस की अवैध रिफिलिंग, कालाबाजारी या भंडारण की सूचना है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

# पहली बार सत्र शुरू होते ही बच्चों को मिली पाठ्य पुस्तकें

देहरादून (कासं)। पहली बार नये शिक्षा सत्र के शुभारम्भ के मात्र एक सप्ताह के भीतर प्रदेशभर के राजकीय और अशासकीय विद्यालयों में 2371789 नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें छात्र-छात्राओं को वितरित की गई। विद्यालयी शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत की सख्ती के बाद शिक्षा विभाग ने वर्षों से चली आ रही देरी की परम्परा को तोड़ते हुये पहली बार छात्र-छात्राओं को समय पर नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई है। शिक्षा विभाग के मुताबिक नये शैक्षिक सत्र-2026-27 के शुरू होते ही विद्यालयों में कक्षा-01 से लेकर 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को किताबें वितरित कर दी गई है। सत्र शुरू होने के एक सप्ताह के भीतर विभाग ने 2371789 नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित कर दी है, जिसमें अल्मोड़ा जनपद के विभिन्न विद्यालयों में 137334 किताबें बांटी गई। इसी प्रकार बागेश्वर में 46891, चमोली 129461, चम्पावत 78142, देहरादून 436134, हरिद्वार 446311, नैनीताल 197687, पौड़ी 107799, पिथौरागढ़ 118329, रूद्रप्रयाग 74869, टिहरी 104559, ऊधमसिंह नगर 425176 और उत्तरकाशी जनपद के विद्यालयों में 69097 पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सभी जनपदों से कुल 7818145 पाठ्य पुस्ताकें की मांग प्राप्त हुई थी, जिसमें से अधिकांश पुस्तकें उलब्ध करा दी गई, जबकि अवशेष पुस्तकों का वितरण युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। विद्यालयों में किताबों की कोई कमी न हो इसके लिये संबंधित अधिकारियों को निरंतर मानिटिरिंग के साथ-साथ फीडबैक लेने के निर्देश दे दिये गये हैं।

# मॉक ड्रिल:हर की पैड़ी में भगदड़ की सूचना पर त्वरित रेस्क्यू

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चारधाम यात्रा से पूर्व आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से आज एक व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की गई, जिसमें हर की पैड़ी क्षेत्र को घटना स्थल के रूप में चिन्हित कर वहां रेस्क्यू अभियान चलाया गया।

जानकारी के अनुसार आज सुबह 10 बजकर 5 मिनट पर आपदा कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि गंगा नदी का जल स्तर अचानक बढ़ने के कारण हर की पैड़ी क्षेत्र में भारी भीड़ के बीच भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस अफरा-तफरी के दौरान कुछ श्रद्धालुओं के गंगा नदी में डूबने और बह जाने की आशंका जताई गई। सूचना मिलते ही प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया। स्टेजिंग एरिया कमांडर को स्थिति से अवगत

कराया गया, जिसके बाद उनके निर्देशन में आपदा प्रबंधन टीमों को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंची टीमों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए भीड़ को नियंत्रित किया गया साथ ही नदी किनारे सर्च ऑपरेशन चलाते हुए रेस्क्यू बोट्स के माध्यम से पानी में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। प्राथमिक उपचार के लिए मेडिकल टीमों को अलर्ट किया गया। इस मॉक ड्रिल में पुलिस, जल पुलिस, आपदा प्रबंधन टीम, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। सभी टीमों के बीच समन्वय स्थापित कर वास्तविक आपदा जैसी स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता का परीक्षण किया गया।

# उत्तराखण्ड में जनगणना-2027 का शुभारंभ

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड में जनगणना-2027 की प्रक्रिया का शुभारंभ आज राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) द्वारा लोक भवन में स्व-गणना के माध्यम से किया गया।

**❑राज्यपाल द्वारा स्व-गणना से हुई शुरुआत**

इसके साथ ही प्रदेश में जनगणना के प्रथम चरण की गतिविधियाँ प्रारंभ हो गई हैं। यह जनगणना भारत की पहली पूर्णत: डिजिटल जनगणना है, जिसमें डेटा संग्रहण डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही, नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा प्रदान की गई है, जो एक सुरक्षित एवं वेब-आधारित प्रणाली है।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें और स्व-गणना के माध्यम से सटीक एवं पूर्ण जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि यह वेब पोर्टल आसान और यूजर फ्रेंडली बनाया गया है, जिसमें आम आदमी भी बिना परेशानी के सभी सूचनाएं भर सकता है। राज्यपाल ने युवाओं एवं सामाजिक संस्थाओं से भी आग्रह किया कि वे इस प्रक्रिया में सहयोग करें और अन्य लोगों को डिजिटल माध्यमों

के उपयोग में सहायता प्रदान करें, ताकि कोई भी व्यक्ति इस प्रक्रिया से वंचित न रहे।

जनगणना कार्य निदेशालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की निदेशक इवा आशीष श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि उत्तराखण्ड में प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 25 अप्रैल से 24 मई, 2026 तक, 30 दिनों की अवधि में पूरे राज्य में संचालित किया जाएगा। घर-घर सर्वेक्षण से पूर्व प्रदेशवासियों को 10 अप्रैल से 24 अप्रैल, 2026 तक स्व-गणना की सुविधा प्रदान की गई है। इस अवधि में नागरिक पोर्टल पर अपने मोबाइल नंबर एवं आवश्यक विवरण के माध्यम से लॉग इन कर स्वयं एवं अपने परिवार की जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज कर सकते हैं। इस अवसर पर सचिव दीपक कुमार भी मौजूद रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकार:**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*